DAINIK JAGRAN (27.11.2016)

वाइएमसीए विश्वविद्यालय मे संविधान दिवस का आयोजन

जासं, फरीदाबाद : वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'संविधान दिवस' पर भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करके हुई। इस अवसर पर निदेशक डॉ. प्रदीप डिमरी ने डॉ. अंबेडकर एवं भारतीय संविधान से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों पर प्रकाश डाला। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. मुनीश वशिष्ठ के अलावा कई अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे। कुलपति दिनेश कुमार ने डॉ. अंबेडकर को एक महान विधिवेता एवं शिक्षाविद् बताते हुए कहा कि भारतीय संविधान ने देश में अब तक लोकतांत्रिक मूल्यों को बरकरार रखा है, जिसका श्रेय संविधान निर्माताओं को जाता है। संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. अंबेडकर ने अपना समस्त जीवन भारतीय समाज के कल्याण तथा कमजोर वर्गों उत्थान के लिए लगा दिया। युवा पीढ़ी को डॉ. अंबेडकर जैसी महान विभूतियों से सीख लेनी चाहिए।

संविधान दिवस पर संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए डॉ. मनीष वशिष्ठ। जागरण

AMAR UJALA (27.11.2016)

वाईएमसीए में मनाया गया संविधान दिवस

फरीदाबाद (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शनिवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी।

कुलपति ने डॉ. अंबेडकर को महान विधिवेता एवं शिक्षाविद बताते हुए कहा कि भारतीय संविधान ने देश में अब तक लोकतांत्रिक मूल्यों को बरकरार रखा है, जिसका श्रेय संविधान निर्माताओं को जाता है। उन्होंने कहा कि संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. अंबेडकर ने अपना समस्त जीवन भारतीय समाज के कल्याण तथा कमजोर वर्गों उत्थान के लिए लगा दिया।

युवा पीढ़ी को डॉ. अंबेडकर जैसी महान विभूतियों से सीख लेनी चाहिए। इस मौके पर युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के निदेशक डॉ. प्रदीप डिमरी ने डॉ. अंबेडकर एवं भारतीय संविधान से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों पर प्रकाश डाला।

HINDUSTAN HINDI (27.11.2016)

संविधान दिवस पर भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

फरीदाबाद | **वरिष्ठ संवाददाता**

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शनिवार को 'संविधान दिवस' के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गई।

सरकार की ओर से 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। वर्ष 1949 में भारतीय संविधान को स्वीकार किया गया था। युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के निदेशक डॉ. प्रदीप डिमरी ने डॉ. अंबेडकर एवं भारतीय संविधान से जुड़ी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ मुनीश वशिष्ठ आदि उपस्थित थे।

DAINIK BHASKAR (27.11.2016)

स्कूल और कॉलेजों में स्टूडेंट्स को बताया गया संविधान का महत्व

संविधान दिवस के अवसर पर शनिवार को विभिन्न कार्यक्रम हुए

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

स्कूल व कॉलेजों में संविधान दिवस के अवसर पर शनिवार को विभिन्न कार्यक्रम हुए। इनके माध्यम से संविधान के महत्व और उसे लागू करने से संबंधित सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस दौरान संविधान को तैयार करने के इतिहास से भी अवगत कराया गया।

वाईएमसीए साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी ने 'संविधान दिवस' के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन किया। भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने बताया कि सरकार द्वारा 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी दिन वर्ष 1949 में भारतीय संविधान को स्वीकार किया गया था। इस मौके पर निदेशक, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम डॉ. प्रदीप डिमरी ने डॉ. अंबेडकर एवं भारतीय संविधान से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों पर प्रकाश डाला। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. मुनीश वशिष्ठ के अलावा कई अन्य संकाय सदस्य मौजूद रहे। डॉ. डिमरी ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। कुलपति दिनेश कुमार ने डॉ. अंबेडकर को एक महान विधिवेत्ता एवं शिक्षाविद बताया।